PCSMANTRA.COM

बाजार को कर-दर ही नहीं, नीतिगत भरोसा भी चाहिए

समाचार-संदर्भ: 2026-11-17 | **प्रकाशन:** 17 नवंबर 2026
मुख्य परीक्षा: GS-III: अर्थव्यवस्था और कर नीति
प्रिलिम्स: अवधारणाएं और कथन-आधारित अभ्यास



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

यह भी पढ़ें: गरीबी में कमी के बाद: उत्पादक रोजगार की चुनौती

खबरों में क्यों

17 नवंबर की पूंजी बाजार संबंधी बहस में कराधान, नियमों की स्थिरता और निवेशक भरोसा केंद्र में हैं। सवाल यह है कि निवेश का निर्णय केवल कर की दर से बनता है या नियम कितने स्पष्ट और अनुमान लगाने योग्य हैं, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी खास अवधि में बाजार का प्रदर्शन इस प्रश्न का संदर्भ हो सकता है, लेकिन उससे अकेले कारण सिद्ध नहीं होता।

कर और निवेश का संबंध

कर-पश्चात प्रतिफल: निवेशक केवल घोषित लाभ नहीं, कर और लागत के बाद बचने वाली आय भी देखता है।

लेनदेन की लागत: बार-बार खरीद-बिक्री करने और लंबी अवधि तक निवेश रखने की लागत का असर अलग हो सकता है।

नीतिगत अनिश्चितता: भविष्य के नियम अस्पष्ट हों तो संभावित प्रतिफल का आकलन कठिन होता है। यह एक आर्थिक तर्क है; किसी विशेष बाजार-गिरावट का प्रमाणित एकमात्र कारण नहीं।

2024 का नीति उदाहरण

23 जुलाई 2024 की बजट घोषणा में कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों के अल्पकालीन पूंजीगत लाभ पर 20% और दीर्घकालीन लाभ पर 12.5% दर का प्रस्ताव रखा गया था। कुछ वित्तीय परिसंपत्तियों के दीर्घकालीन लाभ की छूट सीमा ₹1 लाख से ₹1.25 लाख प्रतिवर्ष करने का प्रस्ताव भी था।

यह उदाहरण दिखाता है कि कर संरचना में दर, परिसंपत्ति की श्रेणी, अवधि और छूट को साथ पढ़ना चाहिए। इसे सभी निवेशों के लिए एक समान नियम या व्यक्तिगत कर-परामर्श नहीं समझना चाहिए। वर्तमान देयता के लिए संबंधित वर्ष का लागू कानून देखना जरूरी है।

भरोसा कैसे बनता है?

स्पष्ट उद्देश्य: बदलाव का राजस्व, सरलता या अनुपालन संबंधी उद्देश्य समझाया जाए।

परामर्श और संक्रमण: हितधारकों को तैयारी का समय मिले; समान परिस्थितियों का व्यवहार संगत हो।

स्थिरता, जड़ता नहीं: नियम बदलना कभी आवश्यक हो सकता है। लक्ष्य बदलाव रोकना नहीं, उसे स्पष्ट और व्यवस्थित बनाना है।

बाजार-प्रदर्शन पर सावधानी

ब्याज दर, कंपनियों की आय, मूल्यांकन, वैश्विक पूंजी प्रवाह और विनिमय दर भी प्रतिफल को प्रभावित कर सकते हैं। अलग देशों के सूचकांकों की तुलना में समान अवधि, मुद्रा और लाभांश का ध्यान रखना चाहिए। नियमन का उद्देश्य केवल सूचकांक बढ़ाना नहीं, निवेशक-सुरक्षा और बाजार की निष्पक्षता भी है।

SEBI का निवेशक-शिक्षा मार्गदर्शन शोध, जोखिम की समझ और विविधीकरण पर जोर देता है। विविधीकरण जोखिम घटा सकता है, लेकिन पूरे बाजार की अस्थिरता समाप्त नहीं करता।

आगे की राह

प्रतिस्पर्धी पूंजी बाजार के लिए स्पष्ट कर नियम, अनुमान लगाने योग्य नियमन और प्रभावी निवेशक-सुरक्षा साथ जरूरी हैं। नीति का मूल्यांकन केवल एक दिन के पूंजी प्रवाह या एक अपुष्ट तुलना से नहीं होना चाहिए।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. पूंजी बाजार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: कर-पश्चात प्रतिफल और कर-पूर्व प्रतिफल अलग हो सकते हैं।

कथन 2: विविधीकरण से बाजार-व्यापी जोखिम पूरी तरह समाप्त हो जाता है।

कथन 3: अंतर्राष्ट्रीय सूचकांक प्रतिफल की तुलना में अवधि और मुद्रा का ध्यान रखना चाहिए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 1 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (b)

कथन 1 सही है। कर निवेशक की शुद्ध आय को प्रभावित करता है।

कथन 2 गलत है। बाजार-व्यापी जोखिम बना रह सकता है।

कथन 3 सही है। असमान आधार पर तुलना भ्रामक हो सकती है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

"निवेशक भरोसे के लिए कर की दर के साथ नीतिगत पूर्वानुमेयता भी आवश्यक है।" चर्चा कीजिए। (150 शब्द) (10 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: कर-पश्चात प्रतिफल और अनिश्चितता

मुख्य भाग में: अन्य बाजार कारक; परामर्श, संक्रमण और सरल नियम

निष्कर्ष में: निवेशक-सुरक्षा के साथ संतुलन।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

कर निवेश की शुद्ध आय को प्रभावित करता है, जबकि स्पष्ट और अनुमान लगाने योग्य नियम निर्णय का आधार बेहतर बनाते हैं। बाजार का प्रदर्शन कई कारकों से बनता है।

क्या कर अकेले बाजार प्रतिफल तय करता है?

नहीं। आय, ब्याज दर, मूल्यांकन और वैश्विक परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण हैं।

क्या स्थिर नीति का अर्थ नियम कभी न बदलना है?

नहीं। आवश्यक बदलाव स्पष्ट उद्देश्यों और उचित संक्रमण के साथ किए जा सकते हैं।

क्या विविधीकरण हर जोखिम मिटा देता है?

नहीं। पूरे बाजार की अस्थिरता का जोखिम रह सकता है।

स्रोत

- www.pib.gov.in
- investor.sebi.gov.in

PCSMANTRA.COM